(ख) इस संबंध में अब तक कौन-कौन से कार्य पूरे हो चुके हैं और कौन-कौन से कार्य अभी पूरे किए जाने हैं, और

(ग) उपर्युक्त कार्य को कब तक पूरा कर लिया जाएगा ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ग) इस समय दो राष्ट्रीय जलमार्ग हैं। वर्ष 1990-91 के दौरान राष्ट्रीय जलमार्ग (गंगा-भागीरथी-हुगली के इलाहाबाद-हल्दिया खंड) में 1.5 मीटर गहरे और 45 मीटर चौड़े नौचालन चैनल के नौचालन के लिये हल्दिया बलिया खंड में व्यवस्था की गई थी और कार्गो को उतारने/चढ़ाने के लिये भागलपुर, मुंगेर और पटना में टर्मिनल सुविधाओं को बनाए रखा गया। ब्रह्मपुत्र में धुबरी-गामड़ी खंड में 2 मीटर गहरे और 45 मीटर चौड़े नौचालन चैनल की व्यवस्था की गई। ये नौचालन चैनल दिन के समय नौचालन के लिये मार्क किए गए थे।

पटना में एक सामान्य कार्गो बर्थ के निर्माण की एक स्कीम 4.90 करोड़ रु० की अनुमानित लागत से सितम्बर, 1991 में स्वीकृत की गई थी। इस स्कीम को तीन वर्ष की अवधि में पूरा करने की योजना है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग

352. श्री ईश दत्त यादव : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि : (क) पिछले दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, रख-रखाव और मरम्मत कार्य पर राजमार्ग-वार कितनी-कितनी धनराशि व्यय की गई है, और

(ख) आगामी वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव की राष्ट्रीय राजमार्ग वार क्या-क्या योजनाएं हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) पिछले दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश म राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और अनुरक्षण/मरम्मत पर किये गये खर्च के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

	1990-91	1991-92 (2/92 तक)
	(लाख रु०)	(लाख रु०)
1. विकास	6,516.36	5,086.11
2. अनुरक्षण और मरम्मत	1,142.82	1,169.01

(ख) चूंकि आठवीं पंचवर्षीय योजना और 1992–93 के वार्षिक कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप दिया जाना है, अतः आगामी वर्ष में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास की स्कीमें बता पाना अभी संभव नहीं है।

विज्ञापनों पर व्यय

353. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने 1991–92 के दौरान विज्ञापनों पर कितना धन व्यय किया है, और

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान समाचार-पत्रों को भाषावार, कितनी-कितनी रकम के विज्ञापन दिये गये ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Revival and Modernisation of Shipyards

354. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether Government propose to revive and modernise the Hindustan Shipyard limited and Cochin Shipyard Limited;

(b) if so, the allocations made for the purpose during 1992-93;

(c) whether Government also propose to liberalise its shipping policy; and

(d) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) Keeping in view the recent changes in the import-export policy of the Government, a proposal for reviving the shipbuilding industry in general and Hindustan Shipyard Limited and Cochin Shipyard Limited in particular is under consideration of the Government.

(c) Yes, Sir.

(d) The salient features of liberalisation may include relaxation in licencing to Indian Shipping Companies to operate on selected liner routes; Grant of freedom to ship owners for sale of ships and for applica tion of sale proceeds, after meeting out standing foreign exchange liabilities, for acquiring new ships; encouragement to medium sized shipyards to export fishing trawlers and smaller crafts; promotion of of ship repair facilities; encouragement to joint venture in ship building; liberalisation of procedures for acquisiton of vessels', encouragement to cross-border leasing of vessels; grant of permission to shipowner to mortgage ships abroad to raise foreign exchange resources etc.

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग

355. श्री राघव जी : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कौन-कौन सी सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित किये जाने की मांग की गई है,

(ख) केन्द्रीय सरकार ने इस संबंध में क्या निर्णय लिया है, और

(ग) वे कौन-कौन सी सड़कें हैं जिन्हें राजमार्गों में परिवर्तित किये जाने के प्रस्ताव अभी विचाराधीन हैं तथा इस संबंध में कब तक निर्णय ले लिये जाने की संभावना है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिए) ।

(ख) और (ग) राज्य सड़कों को नए राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित करने से संबंधित कोई निर्णय आठवीं पंचवर्षीय योजना को अन्तिम रूप दिये जाने के बाद ही लिया जाएगा जो निधियों की उपलब्धता, राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति द्वारा की गई सिफारिशों, नए राष्ट्रीय राजमार्गों के लिये निर्धारित मानदंडों को पूरा करने तथा अखिल भारतीय स्तर पर प्रत्येक सड़क को प्राप्त पारस्परिक प्राथमिकता इत्यादि पर निर्भर करता है । इसलिये, इस समय स्थिति बता पाना संभव नहीं है ।

विवरण

क्रम सं०	सड़क का नाम	लम्बाई (कि० मी० में)
1	अजमेर–राजगढ़–बेतुल–नागपुर	322
2	ग्वालियर–झांसी–कराही–पन्ना–सतना–रीवा–पिपरी–रांची	512
3	इलाहाबाद–रीवा–बिलासपुर–रायपुर–जगदलपुर–कोटा–राजामुंद्री	614
4	जबलपुर–औरंग–रायपुर–बरहामपुर	491